B.A.II (with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem IV

BA24B-3 - Hindi Literature हिन्दी साहित्य

P. Pages : 3 **GUG/W/16/5032**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी भी एक** ही प्रश्न का उत्तर लिखिए। **10**

1) राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज एक महान व स्वयंसिध्द संत थे। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

2) राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज के साहित्यिक योगदान द्वारा सिध्द किजिए कि वे एक समाज सुधारक भी थे।

2. निम्नलिखित में से **किसी एक** ही समूह के सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **20**

समूह ''अ''

1) सबके धरम भी धर्म है, गट कर्म सच्चे हो गये।
किसके धरम में शक्ति नहीं, जब शर्म जैसे कर गये।।
अरे! धर्म तो कर्तव्य है, सब विश्व को धारण करे।
जिसकी कुवत जैसी रही, वह कर दिखावे हर तन्हे।।

2) अपनी ही तारिफ तू करेगा, तब समझना मौत है।
जब नम्रता की बात हो, सामर्थ्य तब अद्‌भूत है।।
सच्चे करम की राह में, अपनी लगन हरदम रहे।
सत्ता मिले या ना मिले, भगवान का ही दम रहे।।

3) ना हो समय अनुकूल तब तक, शत्रु सिर पर लीजिए।
जब बल हो अपने पास तब तो पैरसिर पर दीजिए।
यही नीति होती राज की, उसके बिन चारा नहीं।
नहीं तो गुलामी आऐगी, आजादी को भारा नहीं।।

4) सेवक को सुख मिलता नहीं, कभु ना भिखारी मान ले।
व्यसनी न हो धनवान, व्याभिचारी को सुभगति ना मिले।।
लोभी को यश मिलता नहीं, अज्ञानी को कीर्ती कहाँ?
नही आततायी बच सके, भोगी को सुखशांती कहाँ।।

अथवा

समूह ''ब''

1) इन्सान ही है देवता, जो सत्य-पथ पर चला गया।
इन्सान ही साधू बने, जब संयमी मनको किया।।
इन्सान ही वह वीर है, जो ना करे अन्याय को।
इन्सान वह इन्सान है, जो खोजता सदुपाय को।।

munotes.in

2) नेकी बदी यही है धरम और पाप समझो भाइयो ।
मंदीर है इसकी पाठशाला, सबको यह समझायें ।।
जब नेक नहीं है आदमी, और धर्म पर जीता रहे ।
वह धर्म को बदनाम कर, खुद भी पतन पाता रहे ।।

3) ''गंगा'' ही मुख से बोलता,पर स्नान तो करता नहीं ।
व्याख्यान देता ''सत्य'' का, पर कुछ भी आचरता नहीं ।।
कहने से ''लड्डू'' क्या बनेगा ? मुख में जब गिरता नहीं ।
लढ़ता नहीं जो शत्रु से, वह ''वीर'' क्यों बोले कोई ?

4) ख्रिश्चन ये गिरजाघर बढ़े, इन्सान मस्जिद में पढ़े ।
''गच्छामि शरणं'' बुध्द सब, त्रैवार जय करके खड़े ।।
ऐ हिंदु ! तुने क्यों गमायी, मंदिरों की प्रार्थना? ।।
क्यों भ्रष्ट ऐसा हो गया, सब भूलकर आराधना? ।।

3. निम्नलिखित में से **किसी भी एक** ही समूह के सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए । **20**

समूह ''क''

1) सूफी काव्य किसे कहते है ?

2) सिक्ख संप्रदाय के प्रवर्तक गुरुनानक देव की साम्य-भावना और विचार-प्रसूत करुणा-मूलक थी । समझाइए ।

3) संत काव्य की विशेषताएँ बतलाइए ।

4) खड़ी बोली के आदि कवि अमीर खुसरों की कविताओं में खड़ी बोली की प्राथमिक स्वरुप की झलक मिलती है । संक्षेप में समझाइए ।

अथवा

समूह ''ख''

1) मलिक मुहम्मद जायसी का परिचय संक्षेप में दीजिए ।

2) भक्तिकाल की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

3) निर्गुण तथा सगुण में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

4) विधर्मी होते हुए भी जाति-पाँति के बंधनो से बहुत ऊपर शुध्द प्रेम के सात्विक बंधन में बँधे ''रसखान'' का जीवन परिचय दीजिए ।

4. निम्नलिखित में से **किसी पाँच** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए । **20**

1) ''क्या राज परदेश की भीख पर ही चलेगा, संत तुकडोजी महाराज ऐसा क्यों कहते हैं ?''

2) भक्ति-युग की विशेषताएँ बतलाइए, जिसे हिंदी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है ।

3) रैदास उच्च कोटी के साहित्यकार है, स्पष्ट कीजिए ।

munotes.in

4) लौकिक प्रेम और अलौकिक प्रेम में क्या अंतर है ?

5) राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सन्तसंग और शान्तिमार्ग के माध्यम से लोगों को क्या संदेश देना चाहते है ।

6) कृष्ण भक्ति शाखा से आप क्या समझते है ?

7) सगुण काव्य की प्रवृत्तियाँ लिखिए ।

8) भक्तिकाल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए । **10**

1) भारत देश-उन्नति कब कर सकता है ।

2) तुकडोजी के अनुसार संसार में सुख का मूलमंत्र क्या है ।

3) भक्ति काल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए ।

4) रामकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

5) अमीर खुसरों का साहित्यिक परिचय दीजिए ।

****

munotes.in

munotes.in